विषय-सूची

पहला अध्याय

भाषाओं का वर्गीकरण ३–३२
भारतीय आर्यभाषायें ४-१०
मध्ययुगीन भारतीय आर्यभाषायें ४
प्राकृत और संस्कृत ५
प्राकृत और अपभ्रंश ८
प्राकृत भाषायें १०–१२
प्राकृत और महाराष्ट्री १२
प्राकृत भाषाओं के प्रकार १४–३२
पालि और अशोक की धर्मलिपियां १४
भारतेतर प्राकृत १५
अर्धमागधी १६
शौरसेनी २०
महाराष्ट्री २४
पैशाची २७
मागधी २९

दूसरा अध्याय

जैन आगम-साहित्य (ईसवी सन् के पूर्व ५वीं शताब्दी से ईसवी सन् की ५वीं शताब्दी तक) ३३–१६२
जैन आगम ३३
तीन वाचनायें ३६
आगमों की भाषा ३९
आगमों का महत्त्व ४१
आगमों का काल ४४
द्वादशांग ४४–१०४
आयारंग ४५
सूयगडंग ५१
ठाणांग ५६
समवायांग ६१
वियाहपण्णत्ति ६५
नायाधम्मकहाओ ७४
उवासगदसाओ ८५
अन्तगडदसाओ ८८
अणुत्तरोववाइयदसाओ ९०
पण्हवागरणाइं ९२
विवागसुय ९४
दिट्ठिवाय ९८
द्वादश उपांग १०४–२२
उववाइय १०४
रायपसेणइय १०७
जीवाजीवाभिगम १११
पन्नवणा ११२
सूरियपन्नत्ति ११४
जम्बुद्दीवपन्नत्ति ११५
चन्दपन्नत्ति ११७
निरयावलिया अथवा कप्पिया ११८
कप्पवडंसिया १२१
पुप्फिया १२१
पुप्फचूला १२२
वण्हिदसा १२२

दस प्रकीर्णक १२३–१२६
चउसरण १२३
आउरपच्चक्खाण १२४
महापच्चक्खाण »
भत्तपरिण्णय »
तन्दुलवेयालिय १२५
संथारग १२७
गच्छायार »
गणिविज्जा १२८
देविंदथय »
मरणसमाही »
तित्थोगालियपयन्नु १२९
अजीवकल्प १३०
सिद्धपाहुड »
आराधनापताका »
द्वीपसागरप्रज्ञप्ति १३१
जोइसकरंडग »
अंगविज्जा »
पिंडविसोहि »
तिथिप्रकीर्णक १३२
सारावलि »
पज्जंताराहणा »
जीवविभक्ति »
कवचप्रकरण »
जोणिपाहुड »
अंगचूलिया आदि »
छेदसूत्र १३३–१६२
निसीह १३४
महानिसीह १४६
ववहार १४९
दससुयक्खंध १५४
कप्प अथवा बृहत्कल्प १५७
पंचकप्प १६१
जीयकप्पसुत्त »
मूलसूत्र १६३–१८८
उत्तरज्झयण १६३
आवस्सय १७२
दसवेयालिय १७३
पिंडनिज्जुत्ति १८०
ओहनिज्जुत्ति १८२
पक्खियसुत्त १८६
खामणासुत्त »
वंदित्तुसुत्त १८७
इसिभासिय »
नन्दी और अनुयोगदार १८८–१९२
नन्दी १८८
अनुयोगद्वार १९०

तीसरा अध्याय

आगमों का व्याख्या-साहित्य (ईसवी सन् की दूसरी शताब्दी से ईसवी सन् की १६वीं शताब्दी तक) १९३–२६८
निज्जुत्ति-भास-चुण्णि-टीका १९३–१९९
निर्युक्ति-साहित्य १९९–२१०
आचारांगनिर्युक्ति १९९
सूत्रकृतांगनिर्युक्ति २०१
सूर्यप्रज्ञप्तिनिर्युक्ति २०२
बृहत्कल्प, व्यवहार और निशीथ-निर्युक्ति »
दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति २०३
उत्तराध्ययननिर्युक्ति »
आवश्यकनिर्युक्ति २०४
दशवैकालिकनिर्युक्ति २०८

संसक्तनिर्युक्ति २०९
गोविन्दनिर्युक्ति ,,
आराधनानिर्युक्ति २१०
भाष्य-साहित्य २११–२३३
निशीथभाष्य २११
व्यवहारभाष्य २१७
बृहत्कल्पभाष्य २२०
जीतकल्पभाष्य २२९
उत्तराध्ययनभाष्य २३०
आवश्यकभाष्य ,,
दशवैकालिकभाष्य ,,
पिंडनिर्युक्तिभाष्य २३१
ओघनिर्युक्तिभाष्य २३२
चूर्णी साहित्य २३४–२६०
आचारांगचूर्णी २३४
सूत्रकृतांगचूर्णी २३७
व्याख्याप्रज्ञप्तिचूर्णी २३८
जम्बुद्वीपप्रज्ञप्तिचूर्णी ,,
निशीथविशेषचूर्णी २३९
दशाश्रुतस्कंधचूर्णी २४७
उत्तराध्ययनचूर्णी ,,
आवश्यकचूर्णी २४९
दशवैकालिकचूर्णी २५५
नन्दीचूर्णी २५९
अनुयोगद्वारचूर्णी २६०
टीका-साहित्य २६१–२६८
आवश्यकटीका २६१
दशवैकालिकटीका २६७
स्थानांगटीका ,,
सूत्रकृतांगटीका ,,
गच्छाचारटीका ,,

चौथा अध्याय

दिगम्बर सम्प्रदाय के प्राचीन शास्त्र (ईसवी सन् की प्रथम शताब्दी से १६वीं शताब्दी तक) २६९–३२७

दिगंबर-श्वेतांबर सम्प्रदाय २६९
षट्खंडागम का महत्त्व २७४
षट्खंडागम की टीकाएँ २७५
षट्खंडागम के छः खण्ड २७६
कसायपाहुड २७७
षट्खंडागम का परिचय २७८
महाबंध २८९
कसायपाहुड २९०
तिलोयपण्णत्ति २९३
लोकविभाग २९६
पंचास्तिकाय-प्रवचनसार-समयसार २९७
नियमसार ३००
रयणसार ,,
अष्टपाहुड ३०१
बारसअणुवेक्खा ३०२
दसभत्ति ,,
भगवतीआराधना ३०३
मूलाचार ३०८
कत्तिगेयाणुवेक्खा ३१२
गोम्मटसार ,,
त्रिलोकसार ३१४
लब्धिसार ,,
द्रव्यसंग्रह ३१५
जंबुद्दीवपण्णत्तिसंगह ,,
धम्मरसायण ३१६
नयचक्र ,,

आराधनासार ३१७
तत्त्वसार ३१८
दर्शनसार ३१९
भावसंग्रह ३२१
बृहत्नयचक्र ३२२
ज्ञानसार ”
वसुनन्दिश्रावकाचार ”
श्रुतस्कंध ३२३
निजात्माष्टक ३२४
छेदपिण्ड ”
भावत्रिभंगी ”
आस्रवत्रिभंगी ३२५
सिद्धान्तसार ”
अंगपण्णत्ति ”
कल्लाणालोयणा ३२६
ढाढसीगाथा ”
छेदशास्त्र ३२७

पांचवां अध्याय

आगमोत्तरकालीन जैनधर्म सम्बन्धी साहित्य (ईसवी सन् की ५वीं शताब्दी से १०वीं शताब्दी तक) ३२८–३५५
(क) सामान्यग्रन्थ ३२८–३३०
विशेषावश्यकभाष्य ३२८
प्रवचनसारोद्धार ३३०
विचारसारप्रकरण ”
(ख) दर्शन-खंडन-मंडन ३३१–३३३
सम्मइपयरण ३३१
धम्मसंगहणी ३३२
प्रवचनपरीक्षा ”
उत्सूत्र-खण्डन ३३३
युक्तिप्रबोधनाटक ३३३
(ग) सिद्धान्त ३३३–३३५
जीवसमास ३३३
विशेषणवती ३३४
विंशतिविंशिका ”
सार्धशतक ”
भाषारहस्यप्रकरण ३३५
(घ) कर्मसिद्धान्त ३३५–३३८
कम्मपयडि ३३५
सयग ”
पंचसंगह ३३६
प्राचीन कर्मग्रन्थ ”
नव्य कर्मग्रन्थ ३३७
योगविंशिका ३३८
(ङ) श्रावकाचार ३३९–३४४
सावयपण्णत्ति ३३९
सावयधम्मविहि ”
सम्यक्त्वसप्तति ”
जीवानुशासन ”
द्वादशकुलक ३४०
पच्चक्खाणसरूव ”
चेइयवंदण-भास ”
धम्मरयणपगरण ”
धम्मविहिपयरण ”
पर्यूषणादशशतक ३४२
ईर्यापथिकीषट्त्रिंशिका ”
देववंदनादिभाष्यत्रय ”
संबोधसप्ततिका ”
धम्मपरिक्खा ३४३
पौषधप्रकरण ”

वैराग्यशतक ३४३
वैराग्यरसायनप्रकरण ३४४
व्यवहारशुद्धिप्रकाश ”
परिपाटीचतुर्दशकम् ”
(च) प्रकरण-ग्रन्थ ३४५–३४६
जीवविचारप्रकरण ३४५
नवतत्त्वगाथाप्रकरण ”
दण्डकप्रकरण ३४६
लघुसंघयणी ”
बृहत्संग्रहणी ”
बृहत्क्षेत्रसमास ”
नव्यबृहत्क्षेत्रसमास ३४७
लघुक्षेत्रसमास ”
श्रीचन्द्रीयसंग्रहणी ”
समयसारप्रकरण ”
षोडशकप्रकरण ”
पंचाशकप्रकरण ३४८
नवपदप्रकरण ”
सप्ततिशतस्थानप्रकरण ”
अन्य प्रकरण-ग्रन्थ ”
(छ) सामाचारी ३५०
(ज) विधिविधान ३५१–३५२
विधिमार्गप्रपा ३५१
(झ) तीर्थसम्बन्धी ३५३–३५५
विविधतीर्थकल्प ३५३
(ञ) पट्टावलियां ३५५
(ट) प्रबन्ध ”

छठा अध्याय

प्राकृत कथा-साहित्य (ईसवी सन् की चौथी शताब्दी से १७वीं शताब्दी तक) ३५६–५२४
कथाओं का महत्त्व ३५६
आगम साहित्य में कथायें ३५५
आगमों की व्याख्याओं में कथाएं ३५८
कथाओं के रूप ३६०
जैन लेखकों का नूतन दृष्टिकोण ३६३
प्रेमाख्यान ३६४
विविध वर्णन ३६६
सामान्य जीवन का चित्रण ३६७
मंत्रशास्त्र ३६८
जैन मान्यताएं ३७०
कथा-ग्रन्थों की भाषा ३७२
प्राकृत कथा-साहित्य का उत्कर्षकाल ३७३
संस्कृत में कथा-साहित्य ३७४
अपभ्रंशकाल ३७५
तरंगवइकहा ३७६
तरंगलोला ३७७
वसुदेवहिण्डी ३८१
समराइच्चकहा ३९४
धुत्तक्खाण ४१२
कुवलयमाला ४१६
मूलशुद्धिप्रकरण ४३१
कथाकोषप्रकरण ”
निर्वाणलीलावतीकथा ४४०
णाणपंचमीकहा ”
आख्यानमणिकोश ४४४
कहारयणकोस ४४८
कालिकायरियकहाणय ४५५
नम्मयासुन्दरीकहा ४५९
कुमारवालपडिबोह ४६३
पाइअकहासंगह ४७२
मलयसुंदरीकहा ४७६
जिनदत्ताख्यान ”

सिरिवालकहा ४७९
रयणसेहरीकहा ४८२
महिवालकहा ४८७
औपदेशिक कथा-साहित्य ४९०–५२४
उवएसमाला ४९०
उवएसपद ४९२
धर्मोपदेशमालाविवरण ५००
सीलोवएसमाला ५०५
भुवनसुन्दरी ,,
भवभावना ,,
उपदेशमालाप्रकरण ५१४
संवेगरंगसाला ५१८
विवेकमञ्जरी ५२१
उपदेशकंदलि
उवएसरयणायर
वर्धमानदेशना ५२३

सातवां अध्याय

प्राकृत चरित-साहित्य-(ईसवी सन् की चौथी शताब्दी से १७वीं शताब्दी तक) ५२५–५७२
पउमचरिउ ५२७
हरिवंसचरिय ५३४
जंबूचरिय ,,
सुरसुन्दरीचरिय ५३७
रयणचूडरायचरिय ५४१
पासनाहचरिय ५४६
महावीरचरिय ५५०
सुपासनाहचरिय ५५८
सुदंसणाचरिय ५६१
जयन्तीप्रकरण ५६६
कण्हचरिय
कुम्मापुत्तचरिय ५६८
अन्य चरित-ग्रन्थ ५६८–५७०
स्तुति-स्तोत्र-साहित्य ५७०–५७२

आठवां अध्याय

प्राकृत काव्य-साहित्य (ईसवी सन् की पहली शताब्दी से १८वीं शताब्दी तक) ५७३-६१०
गाहासत्तसई ५७३
वज्जालग्ग ५७९
गाथासहस्री ५८४
सेतुबन्ध ५८५
कामदत्ता ५८९
गउडवहो ,,
महुमहविजय ५९४
हरिविजय ,,
रावणविजय ५९५
विसमबाणलीला ,,
लीलावई ,,
कुमारपालचरिय ५९८
सिरिचिंधकव्व ६०३
सोरिचरित ६०५
भृङ्गसंदेश ६०६
हंससंदेश ६०७
कुवलयाश्वचरित ,,
कंसवहो ,,
उसाणिरुद्ध ६०९

नौवां अध्याय

नाटकों में प्राकृत (ईसवी सन् की प्रथम शताब्दी से १८वीं शताब्दी तक) ६११–६३५

नाटकों में प्राकृत के रूप ६११
अश्वघोष के नाटक ६१४
भास के नाटक ,,
मृच्छकटिक ६१६
कालिदास के नाटक ६१९
श्रीहर्ष के नाटक ६२२
भवभूति के नाटक ६२४
मुद्राराक्षस ,,
वेणीसंहार ६२५
ललितविग्रहराज ,,
अद्भुतदर्पण ६२६
लीलावती ,,
प्राकृत में सट्टक ६२७–६३५
कर्पूरमंजरी ६२८
विलासवती ६३०
चन्दलेहा ,,
आनन्दसुन्दरी ६३२
सिंगारमंजरी ६३३
रंभामंजरी ,,

दसवां अध्याय

प्राकृत व्याकरण; छन्द-कोष; तथा अलंकार-ग्रन्थों में प्राकृत (ईसवी सन् की छठी शताब्दी से १८वीं शताब्दी तक) ६३६–६६६
(क) प्राकृतव्याकरण ६३६–६५०
प्राकृतप्रकाश ६३७
प्राकृतलक्षण ६३९
प्राकृतकामधेनु ,,
संक्षिप्तसार ,,
प्राकृतानुशासन ६४०
प्राकृतकल्पतरु ६४१
प्राकृतसर्वस्व ३४२
सिद्धहेमशब्दानुशासन ६४३
प्राकृतशब्दानुशासन ६४४
प्राकृतरूपावतार ६४५
षड्भाषाचन्द्रिका ६४६
प्राकृतमणिदीप ६४७
प्राकृतानन्द ६४८
प्राकृत के अन्य व्याकरण ,,
(ख) छन्दो-ग्रन्थ ६५०–६५४
वृत्तजातिसमुच्चय ६५०
कविदर्पण ६५१
गाहालक्खण ६५२
छन्दःकोश ६५३
छन्दोलक्षण (जिनप्रभीय टीका के अन्तर्गत) ,,
छंदःकंदली ,,
प्राकृतपैंगल ६५४
स्वयंभूछन्द ,,
(ग) कोश ६५५
पाइयलच्छी नाममाला ६५५
(घ) अलंकारशास्त्र के ग्रन्थों में प्राकृत ६५५–६६६
काव्यादर्श ६५६
काव्यालंकार ६५७
ध्वन्यालोक ६५८
दशरूपक ,,
सरस्वतीकंठाभरण ६५९
अलंकारसर्वस्व ६६१
काव्यप्रकाश ६६२
काव्यानुशासन ६६३

साहित्यदर्पण ६६४
रसगंगाधर ६६६

ग्यारहवां अध्याय

शास्त्रीय प्राकृत-साहित्य (ईसवी सन् की प्रथम शताब्दी से १४वीं शताब्दीतक) ६६७–६८४

अत्थसत्थ ६६७
राजनीति ६६८
निमित्तशास्त्र ,,
जयपाहुड निमित्तशास्त्र ६७०
निमित्तशास्त्र ,,
चूडामणिसारशास्त्र ,,
निमित्तपाहुड ६७१
अंगविज्जा ,,
जोणिपाहुड ६७३
वड्ढमाणविज्जाकप्प, ६७५
ज्योतिषसार ,,
विवाह-पडल ,,
लग्गसुद्धि ६७६
दिनसुद्धि ,,
जोइसहीर (जोइससार) ६७६
करलक्खण ६७७
रिष्टसमुच्चय ,,
अग्घकंड ६७८
रत्नपरीक्षा ,,
द्रव्यपरीक्षा ६७९
धातूत्पत्ति ,,
वस्तुसार ,,
अन्य शास्त्रीय ग्रन्थ ६७९–६८०
प्राकृत शिलालेख ६८१–६८४
हाथीगुंफा का शिलालेख ६८१
नासिक का शिलालेख ६८३

उपसंहार ६८५–६९२

परिशिष्ट १

कतिपय प्राकृत ग्रन्थों की शब्दसूची ६९३–७०२

परिशिष्ट २

अलंकार-ग्रंथों में प्राकृत पद्यों की सूची ७०३–७८४
सहायक ग्रंथों की सूची ७८५–७८८
अनुक्रमणिका ७८९–८७६